https://universitypaper.in

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च २०१९

हिंदी लोकभारती

Time : 3 Hours **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 24 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ-नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़-झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ-बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक-डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था– "यह गाय क्या आप लोगों की है?"

रमजानी ने कहा, "हाँ।"

"यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।"

रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली– "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.........? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

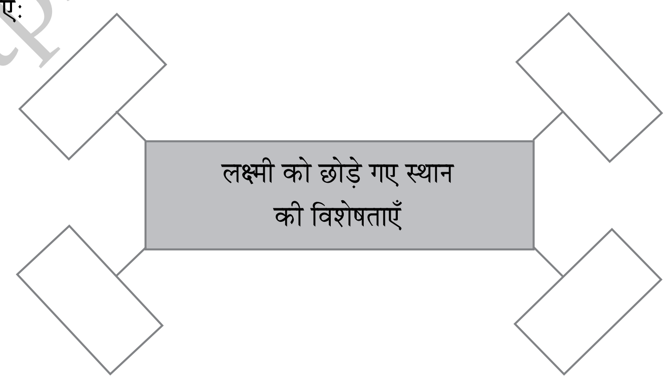

(2) केवल **एक/दो** शब्दों में उत्तर लिखिए: **(2)**

(i) करामत अली इस समय ड्यूटी से लौटा ....

(ii) दूसरों की गाय का चारा खानेवाली ....

(iii) रमजानी इसकी बातें सुनती रही ....

(iv) लक्ष्मी को देखकर आश्चर्यचकित होनेवाले ....

https://universitypaper.in

(3) (क) वचन परिवर्तन कीजिए: **(1)**

(1) इलाके (2) रस्सी

(ख) लिंग परिवर्तन कीजिए: **(1)**

(1) बेटा (2) गाय

(4) 'जानवरों के प्रति हमदर्दी' विषय पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

गाड़ी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा। बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया। संतरी को हिदायत दी। यह सैलूट-वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर। वह खट-खट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाजा हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा। संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे से अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा– "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं?"

बोली– "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया।"

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

लेखक द्वारा संतरी को दी गई दो सूचनाएँ:

(i) ....

(ii) ....

(2) लिखिए : **(2)**

(i) शान की सवारी याद आने का परिणाम ....

(ii) बातचीत में समय बिताने का परिणाम ....

(3) (क) गद्यांश से ऐसे **दो** शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता: **(1)**

(i) ....

(ii) ....

(ख) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(i) ....

(ii) ....

(4) 'दादा-दादी के प्रति मेरा कर्तव्य' विषय पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

https://universitypaper.in

https://universitypaper.in

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

संस्कृति ऐसी चीज नहीं कि जिसकी रचना दस-बीस या सौ-पचास वर्षों में की जा सकती हो। अनेक शताब्दियों तक एक समाज के लोग जिस तरह खाते-पीते, रहते-सहते, पढ़ते-लिखते, सोचते-समझते और राज-काज चलाते अथवा धर्म-कर्म करते हैं, उन सभी कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है। यहाँ तक कि हमारे उठने-बैठने, पहनने-ओढ़ने, घूमने-फिरने और रोने-हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है। हमारा कोई भी काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता। असल में संस्कृति जिंदगी का एक तरीका है और यह तरीका सदियों से जमा होकर उस समाज में छाया रहता है, जिसमें हम जन्म लेते हैं। इसलिए जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है।

(1) घटक लिखिए: **(2)**

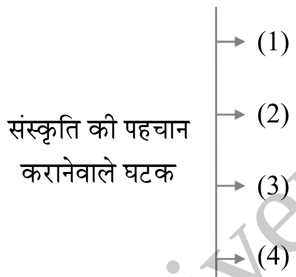

(2) विधानों को पढ़कर केवल सही अथवा गलत लिखिए: **(2)**

(i) समाज के लोगों के कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है ....

(ii) हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक नहीं होती ....

(iii) जिस संस्कृति में हम पैदा हुए हैं उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है ....

(iv) संस्कृति जिंदगी का तरीका नहीं है ....

(3) दी गई सूचना के अनुसार लिखिए: **(2)**

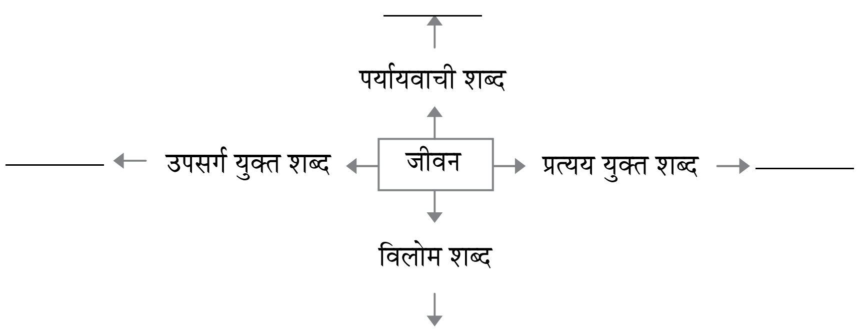

(4) 'पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव' अपने विचार लिखिए। **(2)**

https://universitypaper.in

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो।
चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।
जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

	'अ'	उत्तर	'आ'
(i)	शिखर	....	गर्द
(ii)	आस्मान	....	जिंदगी
(iii)	पत्थर	....	स्वर्णिम
(iv)	शक्ल	....	मील
		....	नींव

(2) उत्तर लिखिए: **(2)**

(क) मनुष्य को ये बनकर दिखाना है → (1) .... (2) ....

(ख) कवि दिखने के लिए कहते हैं → (1) .... (2) ....

(3) प्रथम **चार** पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए:

भारत महिमा **अथवा** समता की ओर

मुद्दे:

(1) रचनाकार का नाम **(1)**

(2) रचना की विधा **(1)**

(3) पसंद की पंक्तियाँ **(1)**

(4) पंक्तियाँ पसंद होने के कारण **(1)**

(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा **(2)**

https://universitypaper.in

https://universitypaper.in

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

नदी निकलती है पर्वत से, मैदानों में बहती है।
और अंत में मिल सागर से, एक कहानी कहती है।
बचपन में छोटी थी पर मैं, बड़े वेग से बहती थी।
आँधी-तूफाँ, बाढ़-बवंडर, सब कुछ हँसकर सहती थी।
मैदानों में आकर मैंने, सेवा का संकल्प लिया।
और बना जैसे भी मुझसे, मानव का उपकार किया।
अंत समय में बचा शेष जो, सागर को उपहार दिया
सब कुछ अर्पित करके अपने, जीवन को साकार किया।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

पद्यांश में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

- ________
- ________
- ________
- ________

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों: **(2)**

(i) सागर .... (ii) छोटी ....

(3) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था। यह उसी का उत्सव था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रही थीं और रूपा मेहमानों के लिए भोजन के प्रबंध में व्यस्त थी। भट्ठियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पूड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

मुखराम के तिलक उत्सव की तैयारियाँ:

(i) ....

(ii) ....

(2) ‘उत्सवों का बदलता स्वरूप’ अपने विचार लिखिए। **(2)**

https://universitypaper.in

https://universitypaper.in

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर।

सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही।

(1) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

	स्थिति	**निवास स्थान**
मछली	....	....
सितारे	....	....

(2) 'रात में सितारे आकाश की शोभा बढ़ाते हैं' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) (क) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए: **(1)**

उस <u>आश्रम</u> का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए।

(ख) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए: **(1)**

'आलीशान'

(2) (ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: **(1)**

रतन, धीरे-धीरे चल।

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

की ओर

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(2)**

(i) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल गया था। (सामान्य वर्तमानकाल)

(ii) वह मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। (पूर्ण भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	**संधि विच्छेद**	**संधि भेद**
निष्कपट	.... + ...	....
....	सत् + भावना	....

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद लिखिए: **(1)**

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते।

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: **(1)**

क्या! उस गली में पेड़ भी हैं। (निषेधार्थक वाक्य)

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

शेखी बघारना

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(मुँह लटकाना, मुँह लगना)

खेल में चयन न होने के कारण अमर निराश होकर बैठ गया।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) उन्नोंने पुस्तक लौटा दिया।

(ii) हमारी सामाजिक विचारधारा से बड़ी भारी दोष है।

(8) निम्नलिखित वाक्य से सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: **(1)**

(i) एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी।

(ii) मैं आपके बारे में ही सोचता रहा।

(9) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए: **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
सूखना	....	....

(10) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

चाची अपने कमरे से निकल रही थी।

कारक चिह्न ....

भेद ....

(11) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: **(1)**

घूम फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे

https://universitypaper.in

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 32 अंक

सूचना: आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. (अ) (1) पत्र-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए:

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

अथवा

अर्चित/अर्चिता भोसले, 54, शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, आयुक्त, महानगर परिषद, नाशिक को पत्र लिखता है/लिखती है।

(2) गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति: **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **पाँच** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों:

दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाज सेवा की एक पुरानी परंपरा है। सादा जीवन, उच्च विचार और कठिन परिश्रम। इस परंपरा में अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ विकसित हुई हैं। उनमें से कुछ संस्थाएँ पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को काफी पढ़े-लिखे लोगों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों का सामयिक सहयोग मिलता रहता है। अभाग्यवश अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ दलगत राजनीति में अधिक विश्वास करती हैं और उनके आधार पर सरकारी सहायता लेने का प्रयास करती हैं। पर्वतीय क्षेत्र में सादगी की अभी यही व्यवस्था चलती है और इसलिए 'चिपको' आंदोलन बहुत हद तक सफल हुआ है। 'गाँधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। सरला बहन ने अल्मोड़ा में इस काम की शुरुआत तब की थी जबकि पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता नहीं थी। श्री प्रेमभाई और डॉ. रागिनी प्रेम ने मिर्जापुर में पर्यावरण पर प्रशंसनीय काम किया है।

(आ) (1) वृत्तांत-लेखन: **(5)**

आदर्श प्रशाला, अमरावती में संपन्न 'वाचन प्रेरणा दिन' समारोह का लगभग **60** से **80** शब्दों में वृत्तांत लिखिए।
(वृत्तांत में स्थान, समय, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

(2) विज्ञापन-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग **60** शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

- वसुंधरा नर्सरी, सातारा
- विशेषताएँ
- संपर्क-पता

(3) कहानी-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग **70** से **80** शब्दों में कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए :

भिखारी – भीख माँगना – एक व्यक्ति का रोज देखना – फूलों का गुच्छा देना – भिखारी का फूल बेचना – मंदिर के सामने दुकान खोलना।

(इ) निबंध-लेखन: **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **80** से **100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मैं सड़क बोल रही हूँ ....
(2) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

https://universitypaper.in